भारतीय वाहकों द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त क्षमता:

दृश्य	संवृद्धि दर का पूर्वानुमान	अपेक्षित अतिरिक्त सीट क्षमता (मिलियन)
अंतरराष्ट्रीय यातायात के लिए:		
न्यून	6.5%	3.49
अधिकतम सम्भावित	7.0%	3.67
उच्च	7.5%	3.87
अंतर्देशीय यातायात के लिए:		
न्यून	10%	12.41
अधिकतम सम्भावित	14.5%	16.37
उच्च	14%	18.79

(ग) से (ङ) इस प्रकार, अतिरिक्त विमान क्षमता शामिल करने की आवश्यकता है। एअर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस की नौवीं योजना अवधि में अपने बेड़ों का नवीकरण और विस्तार जारी रखने की योजनाएं हैं। एअर इंडिया ने अक्तूबर-नवम्बर, 1996 में दो बोइंग 787-400 विमान प्राप्त कर लिए हैं तथा मध्यम क्षमता लम्बी दूरी के विमान खरीदने की योजना है। इंडियन एयरलाइंस की भी छह 50 सीटों वाले विमान खरीदने की योजना है।

विमानों के आवागमन की कमी के कारण विमानपत्तनों को बन्द किया जाना

641. **श्री ईश दत्त यादव:**
श्री नागमणि:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कुछ विमानपत्तन विमानों के आवागमन की कमी के कारण बंद कर दिये गए हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसे विमानपत्तनों के नाम क्या हैं; और

(ग) क्या निजी एयरलाइन्स का इन विमानपत्तनों पर हवाई सेवाएं प्रदान करने का इरादा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी॰ एम॰ इब्राहीम): (क) जी, हां।

(ख) बुलूरघाट, बिलासपुर, झुडप्या, चकुलिया, दीसा, डोनाकोण्डा, कूच बिहार, झांसी, झरसुगुडा, जोगबानी, कैलाशहर, कमालपुर, खंडवा, खोवई, ललितपुर, माल्दा, मुजफ्फरपुर, मैसूर, पन्ना, पासीघाट, रक्सौल, रूपसी, सतना, शैला, शोलापुर, बेल्लौर और बारगांल ऐसे हवाई अड्डे हैं।

(ग) इन हवाई अड्डों के लिए प्रचालन हेतु किसी भी निजी विमान-कम्पनी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

निजी एयरलाइनों पर विमान किराया कर संबंधी बकाया

642. **श्री राम गोपाल यादव:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ऐसी एयरलाइनों सहित जिन्होंने अपनी एजेन्सियां बंद कर दी हैं, देश में इस समय कितनी निजी एयरलाइन्स कार्यरत हैं;

(ख) क्या लाखों रुपया किराया कर के रूप में निजी एयरलाइन्स पर बकाया है,

(ग) यदि हां, तो इनमें से प्रत्येक निजी एयरलाइन्स के विरुद्ध कितनी राशि बकाया है;

(घ) क्या सरकार उक्त कम्पनियों से बकाया किराया कर वसूल करने के लिए कोई सुदृढ़ और प्रभावी कार्रवाई कर रही है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कब तक कार्रवाई की जाएगी; और

(च) यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी॰ एम॰ इब्राहीम): (क) इस समय 7 निजी अनुसूचित और 22 गैर-अनुसूचित प्रचालक हैं। 4 निजी अनुसूचित विमानकम्पनियां प्रचालन नहीं कर रही हैं।

(ख) और (ग) जी, हां। ब्यौरे संलग्न विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिए)।

(घ) से (च) आई ए टी टी की अदायगी में चूककर्ता विमानकम्पनी के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्यवाही की जाती है। आई ए टी टी की बकाया राशि की वसूली के लिए विगत में विमानों को रोका भी गया है।

विवरण

दिनांक 1.7.97 की स्थिति के अनुसार अंतर्देशीय विमान यात्रा कर की बकाया की विमानकम्पनी वार स्थिति

(लाख रुपयों में)

क्रम सं॰	विमानकंपनी का नाम	आईएटीटी	ब्याज	दण्ड	जोड़
1.	मै॰ राज एविएशन (प्रा॰) लि॰	46.64	29.13	15.12	90.89
2.	मै॰ सिटी लिंक एयरवेज	60.16	39.26	18.47	117.89
3.	मै॰ एसियाटीक लि॰	57.59	71.11	18.00	146.70
4.	मै॰ कान्टीनेंटल एविएशन	74.86	75.02	--	149.88
5.	मै॰ स्काईलाइन एनईपीसी	406.60	111.53	931.34	1449.47
6.	मै॰ एनईपीसी एयरलाइन्स	181.64	38.12	240.14	459.91
7.	मै॰ यू.पी. एयरवेज	85.61	32.94	54.07	172.62
8.	मै॰ वीआईएफ एयरलाइन्स	20.75	6.93	7.17	34.86
9.	मै॰ मोदीलुफ्त	865.37	276.33	180.24	1321.94
10.	मै॰ ईस्ट वेस्ट एयरलाइन्स	253.23	331.70	25.72	610.65
11.	मै॰ गोवा वेज	--	04.17	--	4.17
12.	मै॰ वायुदूत	260.31	260.31	50.00	570.62

एयर इंडिया द्वारा बाजार में अपने शेयर को बढ़ावा देने में असफल रहना

643. **श्री नागमणि:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या एयर इंडिया बाजार में अपने शेयर को बढ़ावा देने में पूर्णरूप से असफल रही है:

(ख) यदि हां तो इसके कारण क्या हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी॰ एम॰ इब्राहीम): (क) से (ग) एयर इंडिया द्वारा वाहित यात्रियों की संख्या में कमी तो नही आई है, परन्तु इसके बाजार शेयर में कमी आई है जो 1991 में लगभग 24.5% से घटकर 1996 में 22% ही रह गया है, क्योंकि विमानकम्पनी में इस दर से संवृद्धि नहीं हुई है जिस दर पर अंतरराष्ट्रीय यातायात बढ़ा है।

अपने बाजार शेयर में वृद्धि करने के लिए, एयर इंडिया क्षमता में वृद्धि करने, विपणन प्रयासों को तीव्र करने तथा अपने उत्पाद, छवि तथा समयबद्ध कार्य-निष्पादन में सुधार करने की दिशा में कदम उठा रहा है।

Exclusive Airline for carrying Buddhist pilgrims

644. SHRI PREM CHAND GUPTA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) Whether it is a fact that some SAARC countries are planning to set up an airline specifically to carry Buddhist pilgrims/tourists to Buddhist sites in India;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether Indian Airlines/operators be permitted to participate in this plan?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM): (a) to (c) Thailand has initiated a proposal to set up an airline jointly run by Bangladesh, India, Sri Lanka and Thailand to promote trade and tourism between these countries. The details in this regard have not yet been worked out.